E-Content - II

Hema Agarwal (1)
(Assistant Professor
D.N. College, MRT)

B.Ed. IInd year
Course Code - E-401
Course Title - Assessment for Learning
Unit - I
Topic - Constructivism & its Elements
(निर्माणवाद / रचनावाद व उसके तत्व)

सीखना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। जिसमे सीखने वाला अपने वातावरण से परस्पर अंत:क्रिया करते हुए अपने अनुभवों से स्वयं सीखता है।

रचनावाद (Constructivism) सीखने सिखाने के उस सिद्धान्त को कहते है जिसमे विद्यार्थी अपने ज्ञान की रचना अथवा निर्माण वातावरण से अंतः क्रिया करते हुए अपने अनुभवों से स्वयं करता है।

रचनावाद बाल-केन्द्रित शिक्षा शास्त्र का मुख्य आधारभूत सिद्धांत है। इस व्यवस्था में बच्चों के अनुभवो, उनकी जिज्ञासाओं और उनकी सक्रिय सहभागिता को केंद्र मे रख कर पठन पाठन हेतु वातावरण तैयार किया जाता है।

<u>रचनावादी विचारधारा का इतिहास</u>

जॉन डीवी (John Dewey) ने सीखने के सिद्धान्त सम्बन्ध मे दो तथ्य विकसित किये (i) व्यक्ति समाज की सामाजिक क्रियाओं में भाग लेते हुए स्वयं सीखते है (ii) जब किसी व्यक्ति के सामने कोई समस्या उपस्थित होती है तो वह उसका समाधान खोजता हुआ अपने ज्ञान मे वृद्धि करता है। जॉन डीवी ने अपने इन सिद्धान्तों के आधार पर सीखने की समस्या समाधान विधि (Problem Solving method) का विकास किया / किलपैट्रिक (Kilpatric) ने सीखने की क्रिया में सामूहिक क्रियाओं (Cooperative action) को अधिक महत्व दिया। जीन पियाजे (Jean Piaget) ने बच्चो के संज्ञानात्मक विकास (Cognitive development) का अध्ययन किया तथा बताया कि बच्चे अपने शारीरिक

Scanned by TapScanner

मानसिक, संवेगात्मक और सामाजिक विकास के साथ - 3 सम्प्रत्यों का निर्माण स्वं करते हैं। पियाजे के इस सिद्धान्त को सामान्यतः प्रत्यय निर्माण के सिद्धान्त (Principle of Concept formation) का नाम दिया गया, क्योंकि इसमें बच्चों के स्वं के प्रयत्न से संप्रत्यय का निर्माण होता है इसलिए इसे वैयक्तिक निर्माणवाद (Individual Constructivism) कहते हैं। वाइगोट्स्की (Vygotsky) के अनुसार शिक्षा की प्रक्रिया एक सामाजिक प्रक्रिया (Social process) है जो शिक्षक - शिक्षार्थी के बीच अन्तःक्रिया से आगे बढ़ती है और यह प्रक्रिया तब अधिक प्रभावशाली होती है जब शिक्षक - शिक्षार्थी तथा शिक्षार्थी - शिक्षार्थियों के बीच अन्तःक्रिया हो। वाइगोट्स्की की इस विचारधारा को सामाजिक निर्माणवाद (Social Constructivism) कहते हैं।

निष्कर्ष -

निर्माणवाद सीखने का वह सिद्धान्त है जो यह मानता है कि व्यक्ति सामाजिक अन्तःक्रिया द्वारा अपने पूर्व ज्ञान के आधार पर नए ज्ञान का निर्माण करते हैं और फिर इस नए ज्ञान के आधार पर अपने पूर्व ज्ञान को पुनर्गठित करते हैं।

Constructivism is a theory in education that recognizes the learners' understanding and knowledge based on their own experiences prior to entering school.

निर्माणवाद की विशेषताएँ (Characteristics of Constructivism)

1. व्यक्ति अपने नये ज्ञान का निर्माण पूर्व ज्ञान व अनुभवों के आधार पर करता है।
2. व्यक्ति नये ज्ञान के आधार पर पूर्व ज्ञान को पुनर्गठित करते हैं।
3. अधिगम (learning) प्रक्रिया में सीखने वाला सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपने ज्ञान का निर्माण स्वं करता है।

Scanned by TapScanner

4. वास्तविक क्रियाओं में भाग लेकर व्यक्ति वास्तविक ज्ञान का निर्माण करता है।
5. शिक्षक की प्रक्रिया शिक्षक - शिक्षार्थी के बीच अन्तःक्रियाओं द्वारा सम्पन्न होती है अर्थात सामाजिक अन्तःक्रिया (social interaction) द्वारा सीखने की क्रिया को गति मिलती है।

निर्माणवादी अधिगम के तत्व (Elements of Constructivist Learning)

टॉलमैन (Tolman) और हार्ड्री (Hardy) ने सीखने के 5 तत्व बताये है -

1. बच्चो के पूर्व ज्ञान को जागृत करना (Activating Prior Knowledge)
2. नए ज्ञान को प्राप्त करना (Acquiring New Knowledge)
3. नए ज्ञान को समझना (Understanding New Knowledge)
4. नए ज्ञान को प्रयोग करना (Using New Knowledge)
5. नए ज्ञान का प्रतिक्षेपण करना (Reflecting New Knowledge)

निष्कर्ष - रचनावाद गुणवत्तापरक और सार्थक शिक्षा का वह स्वाभाविक व आनन्दमयी सिद्धान्त है जिसमें बच्चा अपना सर्वश्रेष्ठ विकास कर सकता है और वास्तविक जीवन में अपने ज्ञान का सही ढंग से प्रयोग करते हुए कुशलतापूर्वक जीवन यापन कर सकता है।

Scanned by TapScanner